>

Title: Regarding condition of Railways in the country.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्षा महोदया, मैं सदन और आपसे विनती करना चाहता हूं। रेल की जो हालत है, वह बहुत ही जर्जर है। उसकी हालत इतनी जर्जर है कि रेल के कितने एक्सीडेंट्स के बारे में याद करें, यह मुश्किल हो गया है। ...(व्यवधान)

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): रेल में मौत का खेल है।

श्री शरद यादव: मौत का नहीं, सब तरह से ...(व्यवधान) मैं आपके सवाल पर भी आऊंगा। ...(व्यवधान) अभी नहीं, जब वक्त आएगा, तब इस पर आऊंगा। मेरी विनती यह है कि इस देश में तीन मंत्रालय हैं, वैसे तो चार-पांच हैं, लेकिन तीन मुख्य हैं। फौज का विभाग, आईटी विभाग और रेल विभाग महत्वपूर्ण विभाग हैं। हिन्दुस्तान की जनता की सेवा करने वाला रेल से बड़ा कोई दूसरा विभाग नहीं है। रेल की जो दुर्दशा है और रेल की दुर्घटनाएं हैं, उनको पूरी तरह से सदन से लेकर बाहर तक लोगों ने मान लिया कि इसमें बैठना जोखिम भरा है। ट्रेन इतनी बुरी हालत में है कि मैं आप से क्या बयान करूं। सात वर्ष से इसका किराया नहीं बढ़ा, अजीब बात है। कैसे रेल जो कम चारा खाए, ज्यादा दूध दे और ज्यादा गोबर दे, यह हालत है। 24 घंटे बैठ कर विभाग चलाने की जरूरत है। जो मंत्री साहब हैं, वह यहां नहीं है, उनकी मुश्किल है। ...(व्यवधान) मैं आप से विनती करता हूं कि रेल से ज्यादा सावधानी बरतने वाला कोई विभाग नहीं है। 24 घंटे भी इसके लिए कम पड़ता है। यह दो करोड़ लोगों को रोज ले कर चलती है। हिन्दुस्तान में ट्रेन बड़ी अद्भूत चीज है। आज उसकी ऐसी दुर्दशा है कि मैं सरकार से कहना चाहता हूं, पवन बंसल जी चले गए हैं। ...(व्यवधान) वह यहां होते तो यह उनका काम है। उन्हें कोई काम होगा। ...(व्यवधान) मैं यह कहना चाहता हूं कि आज जो हालत रेल की है, उसमें सब तरह की दिक्कत और किल्लत के बाद भी रेल पर तत्काल भारत सरकार को ध्यान देना चाहिए। रेल मंत्री से मेरी विनती है कि इस पार्लियामेंट में वह जो बात बोलते हैं उन बातों पर वह टिके नहीं रहते हैं। ...(व्यवधान) मैं यही कह रहा हूं कि जो रेल विभाग है उसके लिए मेरी विनती है और ममता जी से भी यहां अपील करना चाहता हूं कि उनको शनिवार और रविवार के दिन बुला लें या उन्हें किसी एक दिन बुला लें और बाकी समय उन्हें यहीं रहने दें। ...(व्यवधान) आप कितनी बार बोलेंगे। ...(व्यवधान) मैं आप से निवेदन करता हूं कि जो हालत रेल की है उस पर तत्काल ध्यान देना चाहिए। अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो ट्रैक किसी ऊपर या नीचे वाले पर नहीं चलता है। ट्रैक की मरम्मत लगातार होती है। यहां चौकसी लगातार होती है और ट्रैक बहुत खराब है। हमने कई तरह के उपाय सुझाए हैं, बोले हैं, कठिनाई की हैं, सपने देखें हैं लेकिन वह जमीन पर नहीं उतरे हैं। मैं कहूंगा कि मैं कोसी के इलाके से हूं। आज आठ-नौ वर्ष हो रहे हैं वहां लाइन की पटरियां सिर्फ चालीस किलोमीटर बन पाई है, उखड़ गई थी। पुल टूट गए थे। गोंदिया और जबलपुर की लाइन छोटी लाइन है। लंबा समय हो गया है। मंत्री जी से मैंने सवाल किया तो उन्होंने कहा कि सौ करोड़ रूपये देंगे। वहां के एमपी बोल रहे थे कि साहब पैसे नहीं दे रहे हैं। मैं कहूंगा कि सदन में कहने के बाद, इस बात से मुकरना नहीं चाहिए। मैं मानता हूं कि साधनों की कमी है। लेकिन कुछ साधन ऐसे होते हैं जिनके साथ मौत जुड़ी रहती है, लोगों का जीवन जुड़ा रहता है। रेल ऐसी ही जगह है, ऐसा ही मामला है। आज सूखा है, बाढ़ है, रेल ही बड़ी मदद करेगी। इसलिए मैं रेल मंत्री जी से कहूंगा, उन्हें खबर कर दीजिए, हम रोज सुबह-शाम उन्हें याद करते हैं।

आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदया :

श्री पन्ना लाल पुनिया और

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण अपने आपको श्री शरद यादव के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।